पंजाब केसरी २१/०३/२०२६

इको-फ्रैंडली उत्पादों का उपयोग समय की आवश्यकता : डॉ. रोहित दत्त

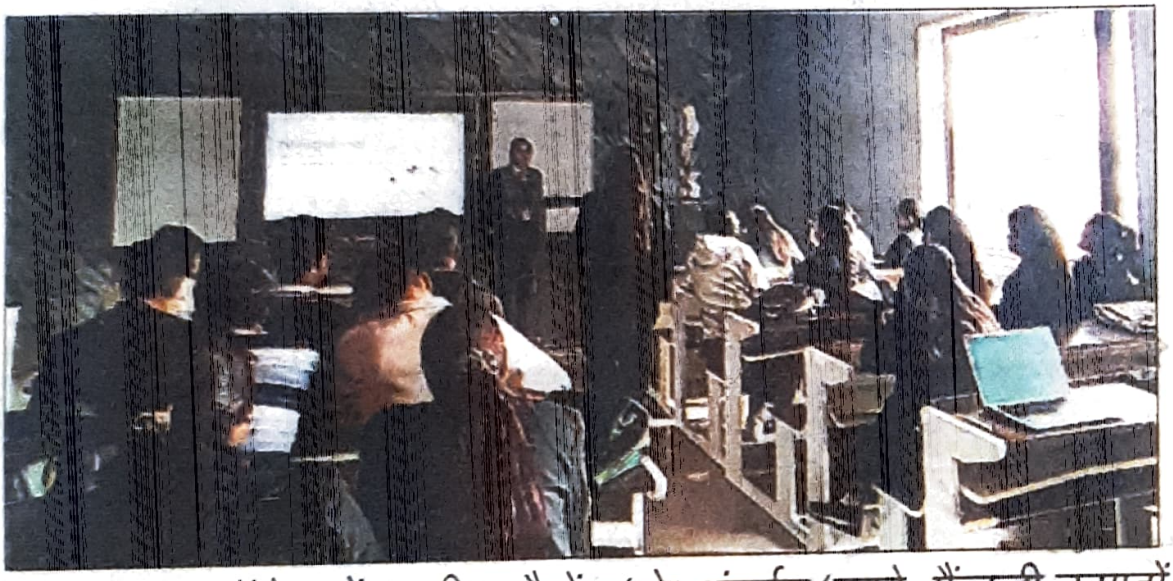

जी.एम.एन. कॉलेज में 'टू वीक चैलेंज' के अंतर्गत 'इको-फ्रैंडली उत्पादों के प्रयोग पर आयोजित गतिविधि में भाग लेते विद्यार्थी। (चंद्रमोहन)

जी.एम.एन. कॉलेज में 'टू वीक चैलेंज' के अंतर्गत 'इको-फ्रैंडली उत्पादों के प्रयोग पर हुई गतिविधि

अम्बाला, 28 मार्च (बलराम): छावनी स्थित जी.एम.एन. कॉलेज में नैशनल एजुकेशन ट्रस्ट के तत्वावधान में चल रहे 'टू वीक चैलेंज' के अंतर्गत 'इको-फ्रैंडली उत्पादों का प्रयोग किस प्रकार किया जाए' विषय पर जागरूकता पूर्ण एवं रचनात्मक गतिविधि का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संयुक्त रूप से संचालन प्रबंधन विभाग, समाजशास्त्र विभाग, इन्क्यूबेशन सैंटर एवं एस.डी.जी. क्लब द्वारा किया गया। इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करना तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी जिम्मेदारी को सुदृढ़ करना था।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इको-फ्रैंडली उत्पादों का उपयोग समय की आवश्यकता है। इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों में जागरूकता और जिम्मेदारी दोनों को बढ़ाती हैं। ऐसे नवाचारपूर्ण प्रयास भविष्य के लिए सकारात्मक दिशा तय करते हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण एवं इको-फ्रैंडली उत्पादों के उपयोग से जुड़े अपने नवाचारपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। छात्रों ने प्लास्टिक के विकल्प, पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) तथा सतत् विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं। इन प्रस्तुतियों में व्यावहारिक समाधान भी प्रस्तुत किए गए, जो दैनिक जीवन में अपनाए जा सकते हैं। प्रस्तुति के पश्चात् शिक्षकों ने विद्यार्थियों के विचारों पर अपने महत्वपूर्ण सुझाव एवं मार्गदर्शन प्रदान किया तथा उत्कृष्ट विचारों का चयन कर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया गया।